>

Title: Need to develop railway infrastructure in Balurghat Parliamentary Constituency in West Bengal.

डॉ. सुकान्त मजूमदार (बालूरघाट): महोदय, आज मैं हिन्दी में बोलने की कोशिश कर रहा हूँ और इसके लिए मुझे आपका संरक्षण चाहिए । मैं फिल्म की तरह बोल सकता हूँ, लेकिन I am little slow in Hindi. आप फिल्म की तरह नहीं बोल सकते, स्लोली समझाना, किसको जल्दी है, क्योंकि आपको जल्दी है ।

मैं इस दिक्कत के बाद अपनी दिक्कत पर आ रहा हूँ । मेरा निर्वाचन क्षेत्र बालूरघाट दक्षिण दीनाजपुर डिस्ट्रिक्ट में आता है । इस डिस्ट्रिक्ट की ख़ासियत यह है कि जब 15 अगस्त, 1947 को देश आजाद हुआ, तब यह हिस्सा पाकिस्तान में था और 18 अगस्त को हम भारत से जुड़े । इस क्षेत्र के तीन हिस्से बांग्लादेश से घिरे हुए हैं । मेरे निर्वाचन क्षेत्र की मुख्य समस्या कम्युनिकेशन की है । जब हमें वर्ष 1947 में स्वाधीनता मिली, उसके बाद लगभग 6 दशक हो गए हैं, वर्ष 2004 में हमें रेल कनेक्टिविटी मिली । उस समय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधान मंत्री बने । मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उनकी वजह से हमें रेल कनेक्टिविटी मिली । तब से हमारी रेल कनेक्टिविटी बहुत बुरी हालत में है । कोलकाता जाने के लिए वहाँ से कोई रेगुलर ट्रेन नहीं है । जब वीकेंड होता है, तो सारे सांसद अपने क्षेत्र में जाते हैं, लेकिन मैं नहीं जा पाता हूँ, क्योंकि वहाँ कनेक्टिविटी बहुत बुरी है । मेरे वहाँ पहुँचते-पहुँचते वहाँ से लौटने का टाइम हो जाता है । पश्चिम बंगाल में दो बड़े शहर हैं- एक तो नॉर्थ बंगाल में सिलीगुड़ी है और दूसरा साउथ बंगाल में कोलकाता है । किसी भी शहर से हमारे यहाँ रेल कनेक्टिविटी नहीं है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूँ कि हमें एक

हीलिंग टच की जरूरत है, नहीं तो पता ही नहीं चलेगा कि केंद्र सरकार कहाँ है । वर्ष 2004 में हमें रेल कनेक्टिविटी मिली है, हीलिंग टच हमारे लिए जरूरी है, तभी लोगों को पता चलेगा कि हाँ केंद्र में कोई सरकार है और वह हमारे बारे में सोचती है । धन्यवाद ।